जून सन् १९५७ तक बढ़ाई गई । तो उस प्रेस नोट के जवाब में कुछ पब्लिशर्स ने चार्ट्स भेजे । जो चार्ट्स भेजे गये वे संतोषजनक नहीं थे । इसलिये इस बात की कोशिश की जा रही है कि उन के साथ मिल कर इसमें सुधार किया जाय ।

श्री राम सहाय : ये चार्ट्स किन किन भाषाओं में तैयार हुए हैं ?

डा० के० एल० श्रीमाली : ये चार्ट्स अभी आये हैं और तैयार किये जा रहे हैं और इन इन भाषाओं में : हिन्दी-उर्दू, हिन्दी-बंगला, हिन्दी-पंजाबी, हिन्दी-मराठी, हिन्दी-आसामी, हिन्दी-उड़िया ।

श्री राम सहाय : इस में गवर्नमेंट का कितना खर्च हुआ है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : खर्च अभी कुछ नहीं हुआ है । अभी यह गवर्नमेंट को पेश किये गये हैं और जब यह स्वीकार कर लिये जायेंगे तब उस के बाद पुरस्कार दिये जायेंगे ।

SHRI PURNA CHANDRA SHARMA: Has the Government considered about transcription of all the classical literature of all the languages into Nagrik?

DR. K. L. SHRIMALI: The hon. Member is raising a matter which is not directly related to this question. This does not arise out of this.

हिन्दी में विश्वकोष की तैयारी

*३१७. **श्री राम सहाय** : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री अपने मंत्रालय के १९५६-५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ६४ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दी में विश्वकोष तैयार करने को जो ३५,००० रुपया नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस को दिया गया था, उस में अब तक कितना काम हुआ ;

(ख) क्या इस को तैयार करने के लिये कोई अवधि नियत की गई है ;

(ग) यदि की गई है तो कितनी ; और

(घ) विश्वकोष की सब जिल्दें तैयार करने में कितना समय लगने वाला है ?

†[PREPARATION OF HINDI ENCYCLOPEDIA

*317. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to refer to page-64 of the Report of his Ministry for 1956-57 and state:

(a) the work so far done in the preparation of an Encyclopedia in Hindi for which Rs. 35,000 were given to the Nagari Pracharini Sabha, Banaras;

(b) whether any time-limit ha* been fixed for such preparation;

(c) if so, what; and

(d) how much time is likely to betaken to complete all the volumes of the Encyclopedia?]

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय के राज्य मंत्री (डा० के० एल० श्रीमाली) : (क) आवश्यक सूचना देने वाला विवरण सभा-पटल पर रखा है ।

(ख) जी हां ।

(ग) और (घ). यह कोष १० जिल्दों में पूरा होगा । योजना स्वीकृत होने को तारीख, २४ अगस्त, १९५६, से लगभग सात वर्ष के भीतर सारा काम समाप्त हो जायेगा ।

विवरण

नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी द्वारा हिन्दी में विश्वकोष की तैयारी

२४ अगस्त, १९५६ को नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी को एक हिन्दी विश्वकोष

†[ ] English translation.

तैयार करने का काम सौंपा गया । इस कोष में लगभग पांच-पांच सौ पृष्ठों के १० खंड होंगे । तब से ६.५ लाख रुपये के कुल अनुमानित खर्च में से ८५,००० रुपये सभा को दिये जा चुके हैं । सभा ने इस काम के लिये दो सह-सम्पादक, और कुछ क्लर्कों को नियुक्ति की है, और ३१ दिसम्बर १९५७ तक संदर्भ-पुस्तकों और दफ्तर के साज-सामान को खरीदने तथा अमले को वेतन देने के लिये ५२,०७४.१० रुपये खर्च किये गये हैं ।

२. कार्डों पर विभिन्न विषयों के महत्व-पूर्ण शब्दों की अनुक्रमणिका तैयार करने का प्रारम्भिक कार्य फरवरी १९५७ में आरम्भ किया गया था और विश्वकोष के खंडों की सामग्री तैयार करने, हिन्दी के समानार्थी शब्द बनाने और उन्हें विद्वानों में बांटने के लिये, विज्ञान, कला और मानव-विद्याओं से सम्बन्धित ७०,००० शब्द एकत्र किये जा चुके हैं । इन में मानव ज्ञान के सभी पहलुओं को ले लिया गया है ।

३. सभा ने विश्वकोष का एक मसौदा नमूने के तौर पर तैयार किया है, ताकि विश्वकोष-सम्पादन की योजना के सम्बन्ध में सलाहकार बोर्ड के सुझाव प्राप्त हो सकें । इस में परमाणु-ऊर्जा, व्यास आदि विषयों पर अनेक लेख शामिल हैं ।

४. सभा ने उन सम्पादकों की अस्थायी रूप से सूची तैयार कर ली है, जो विभिन्न विषयों पर अपने लेख भेजेंगे ।

ttTHE MINISTER OF STATE IN •THE MINISTRY OF EDUCATION AND : SCIENTIFIC RESEARCH (DR. K. L. SHRIMALI) : (a) A statement giving the required information is laid on the Table of the House.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d). The entire work consisting of 10 volumes, is to be completed in about 7 years, from the date on which the scheme was sanctioned *viz.* 24th August, 1956.

t [STATEMENT

Preparation of Hindi Encyclopaedia by Nagari Pracharini Sabha, Varanasi

Since the 24th August, 1956, when the work of the preparation of Hindi Encyclopaedia in 10 volumes of approximately 500 pages each, was entrusted to the Nagari Pracharini Sabha, Varanasi, an amount of Rs 85,000 against the total estimated expenditure of Rs. 6-5 lakhs has been paid to the Sabha. The Sabha has appointed two Associate Editors and some clerical staff for the purpose. It has incurred an expenditure of Rs. 52,074,10 on the puchase of reference books and office equipment and the payment of salaries of staff etc., till the 31st December, 1957.

2. The preliminary work of preparing Word-Index of topical terms and important words on cards was started in February, 1957 and about 70,000 words, which cover various aspects of knowledge in the field of science, Arts and Humanities have been collected for rendering into Hindi and distribution among scholars for the preparation of material for the \ volumes of the Encyclopaedia.

3. A draft specimen of the Encyclopaedia containing several articles on topics like Atomic Energy, Vyasa, etc. has been prepared by the Sabha in order to invite opinion of the Advisory Board on the plan of the Ency-clopaedias presentation.

4. A tentative list of Contributory Editors who will be incharge of the various topics, has been prepared by the Sabha.]

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि स्टेटमेंट में जिन संदर्भ-पुस्तकों का, रेफरेंस बुक्स

का, जिक्र है उस पर कितना रुपया खर्च हुआ है ?

DR. K. L. SHRIMALI: The Nagari Pracharini Sabha has reported that they have incurred an expenditure of Rs. 52,074' 10 on the purchase of reference books.

SHRI PURNA CHANDRA SHARMA: Will the Nagari Pracharini Sabha take into consideration the classical literature of all the languages in India, which have Sanskrit as the basic language, to have, them transcribed into Nagari script?

DR. K. L. SHRIMALI: I am very doubtful whether the question arises out of this.

MR. CHAIRMAN: You must refer it to the Nagari Pracharini Sabha.

DR. K. L. SHRIMALI: This will be referred to the Nagari Pracharini Sabha for necessary action.

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इस स्टेटमेंट में जो ७०,००० शब्दों का एकत्रित किया जाना बताया गया है, उन में से कितने शब्द अब तक विद्वानों को तकसीम किये जा चुके हैं ।

डा० के० एल० श्रीमाली : स्टेटमेंट के कौन से पैराग्राफ का आप जिक्र कर रहे हैं ?

श्री राम सहाय : पैराग्राफ २ का ।

डा० के० एल० श्रीमाली : जी हां, बोर्ड की जो पिछली बैठक हुई थी उस में उन्हों ने जो कांट्रीब्युटरी एडिटर्स होंगे उस की फेहरिश्त बनाई है ।

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जो शब्द कोष का मसविदा तैयार हुआ है वह कहां रखा गया है और किस के पास है ?

†[ ] English translation.

1.R.S.D.—2

डा० के० एल० श्रीमाली : वह तो बोर्ड के मेम्बर्स को पेश किया गया था और उन की राय के लिये वह मसविदा रखा गया था । जो भी राय उस के बारे में मेम्बर्स समझते थे वह दे दी गई है ।

DR. SHRIMATI SEETA PARMA-NAND: What is expected to be the price of this complete set? Has Government laid down any stipulation so as to make this publication within the reach of ordinary people?

DR. K. L. SHRIMALI: Government will make sure that this will be within the reach, that it is not very expensive. It is a Government of India publication and the exact price is not yet determined.. It is too early to fix the price at this stage.

SHRI B. V. (MAMA) WARERKAR: Does the hon. Minister know that such an encyclopaedia was prepared in Marathi by Dr. Ketkar and may I know whether the help of this encyclopaedia has been taken while editing this encyclopaedia?

DR. K. L. SHRIMALI: Yes, The Nagari Pracharini Sabha will take into account all the work done in the different languages in preparing this encyclopaedia.

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इस एडवाइजरी बोर्ड में कितने साहब हैं और कौन कौन हैं ?

DR. K. L. SHRIMALI: I thought I had this information with me here, but I am afraid I cannot find it out. Shri Govind Ballabh Pant is the Chairman of this Board and I think the Board consists of 25 members.

डा० रघुनाथ प्रसाद दुबे : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि यह कब तक तैयार हो जायेगा ?

डा० के० एल० श्रीमाली: मैं ने निवेदन कर दिया है कि इस में ६,७ साल लग सकते हैं ।

श्री अमोलख चन्द : यह हिन्दी विश्व-कोष कितने भागों में तैयार हो रहा है और हर भाग की क्या कीमत है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इस के १० वालूम्स होंगे और इस में ७ वर्ष लगेंगे ।

श्री देवकीनन्दन नारायण : क्या मैं मंत्री महोदय से जान सकता हूं कि यह काम नागरी प्रचारिणी सभा को सौंपने से पहले और भी किन्हीं संस्थाओं से इस काम के लिये मांग आई थी ?

डा० के० एल० श्रीमाली: जी नहीं ।

श्री देवकीनन्दन नारायण : और कौन कौन सी संस्थाओं से इस काम के लिये मांग आई थी ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जी नहीं, मांग नहीं आई थी ।

लीगल ड्राफ्ट्समैनों का सम्मेलन

३१८. **श्री राम सहाय :** क्या विधि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या २ फरवरी, १९५८ को लीगल ड्राफ्ट्समैनों का एक सम्मेलन नई दिल्ली में हुआ था ;

(ख) यदि हां तो प्रत्येक राज्य से कितने ड्राफ्ट्समैन इस सम्मेलन में सम्मिलित हुए थे ; और

(ग) क्या सम्मेलन ने सरकार को अपनी कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की है ?

t [CONFERENCE OF LEGAL DRAFTSMEN

*318. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of LAW be pleased to state:

(a) whether a conference of legal draftsmen was held at New Delhi on the 2nd February, 1958;

(b) if so, what is the number of draftsmen from each State who parti cipated in the conference; and

(c) whether the conference has. submitted any report to Govern ment?]

विधि उपमंत्री (श्री आर० एम० हजारनवीस) : (क) जी हां पहली और दूसरी फरवरी, १९५८ को हुआ था ।

(ख) इस सम्मेलन में तेरह राज्यों ने भाग लिया था । कुल ३६ सदस्यों ने इस में हिस्सा लिया था । उस में से आंध्र प्रदेश, बम्बई, केरल, मद्रास, उड़ीसा, पंजाब और वेस्ट बंगाल—इन राज्यों की तरफ से एक-एक सदस्य थे और बाकी राज्यों की तरफ से दो-दो सदस्य थे ।

(ग) कोई विधिवत् रिपोर्ट मांगी नहीं गई थी, किन्तु कार्यवाहियों का संक्षिप्त विवरण सब राज्य सरकारों को भेजा जा चुका है ।

f[THE DEPUTY MINISTER OF LAW **(**SHRI R. M. HAJARNAVTS) : (a) Yes on the 1st and 2nd February, 1958.

(b) Thirteen States participated in' the Conference. There were 36 delegates in all. Seven States sent one delegate each—Andhra Pradesh, Bombay, Kerala, Madras, Orissa, Pun jab and West Bengal. The others sent two delegates each.

(c) No formal report was called for, but a copy of the summary of **the** proceedings has been forwarded to all the State Governments.]

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि उन्हों ने कोई महत्वपूर्ण या कोई विशेष सिफारिश की है ?

श्री आर० एम० हजारनवीस : जहां तक मेरा ख्याल है जो निर्णय लिये गये थे वे सभी महत्वपूर्ण थे ।